2.1 स्वस्थवृत्त व सामुदायिक स्वास्थय

1. स्वस्थवृत्त कि परिभाषा, स्वस्थवृत्त का प्रयोजन, स्वस्थ के लक्षण, स्वास्थ्य के निर्धारित तत्व, स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक।
2. दिनचर्या:- परिभाष एवं महत्व, वह्ममुहूर्त में उठना, उषापान, मलत्याग, मुखप्रक्षालन , दन्त धावन, जिह्वानिर्लेखन, अंजन , प्रतिम-र्निस्य,गण्डूश- कवल धारण, धूमपान , अभ्यंग, उद्वर्तन-उत्सादन, व्यायाम, चंक्रमण, स्नान, अनुलेपन, वस्त्रधारण, ताम्बूलसेवन।
3. रात्रिचर्या:-संध्याचर्या, रात्रि भोजनविधि, शयनविधि।
   ऋतुचर्या:-महत्व, आदान एवं विसर्ग काल , ऋतु अनुसार दोषों का संचय-प्रकोप-प्रशमन, शिशिर, वसन्त ,ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमन्त ऋतु के अनुसार आहार-विहार, ऋतु सन्धि, यमदंश्ट्रा, ऋतु हरीतकी।
4. सदवृत्त,आचार रसायन।
   त्रयोपस्तम्भ:-आहार , निद्रा, ब्रह्मचर्य
5. धारणीय एवं अधारणीय वेग
6. जनपदोध्वंस :-कारण, लक्षण एवं बचाव के उपाय
7. वायु:-वायु के कार्य , वायु प्रदूषण, वायु प्रदूषण के संकेतक, वायु प्रदूषण के खतरे ,सुरक्षा और नियंत्रण के उपाय, संवातन के प्रकार।
8. जल:- जल के स्त्रोत ,स्वास्थ्यवर्धक जल, जल का महत्व एवं आवश्यकता ,जल आपूर्ति तथा स्वच्छता हेतु कार्य योजना, मृदु एवं कठोर जल, जल की अशुद्धियां, जल शुद्धि करने के उपाय, दुषित जल से उत्पन्न होने वाली व्याधियां एवं बचाव के उपाय, जल परीक्षण, आदर्श कुआ।
9. भूमि :-भूमि के प्रकार, भूमि शोधन , निवास स्थान हेतु योग्य भूमि, प्रकाश व्यवस्था, खराब आवास एवं स्वास्थ्य, उत्तम आवास
10. ध्वनि प्रदूषण:- ध्वनि प्रदूषण के स्त्रोत , हानिया एवं रोकथाम के उपाय।
11. अपद्रव्य :-अपद्रव्य का स्वरुप, हानिया तथा निस्तारण के उपाय

12. संक्रामक रोग:- संक्रामक रोग की परिभाषा, संक्रमण के प्रकार एवं प्रसार , संक्रामक रोग जैसे :- खसरा(Measle) ,डिथिरिया(Diphtheri),मलेरिया(Malari), रेबीज(Rabies), इन्फ्लूएंजा(Influenza), राजयक्ष्मा (Tuberculosis) , डेंगू(DengueFever), हैजा(Choleraa), टाइफाइड(Typhoid), कुश्ठ(Leprosy), पोलियो(Polio), निमोनिया(Pneumonia) आदि, संक्रामक रोगो से बचाव के उपाय, व्याधिक्षमत्व का निरुपण, विसंक्रमण की विधियां।
13. सामाजिक स्वास्थ्य, औधोगिक स्वास्थ्य, विद्यालय स्वास्थ्य
14. राश्ट्रीय स्वास्थ्य संरक्षण कार्यक्रम एवं सामुदायिक स्वास्थ्य में नर्सिंग का दायित्व।
15. स्वास्थ्य मूल्यांकन , स्वास्थ्य संरक्षण ,संवर्द्धन एव पुनरुथापन मे नर्सिंग का दायित्व ।
16. शवविनश

(ख) आहार एवं पथ्य

आाहार के स्त्रोत, आहार के आव-यक तत्व , कार्बोज,प्रोटीन , वसा, खनिजलवण, जीवनीय तत्वों के कार्य एवं अभाव जन्य व्याधियां , सन्तुलित भोजन, आव-यक भोजन की गणना विधि (Mathod of Calculating normal food Requirements) , सम:ान, अध्य-ान, विशमा-ान, पथ्य-अपथ्य आहार,आहार विधि विधान, द्वाद-ा अ-ानप्रविचारणा, अश्ट आहार विधि वि-ेशायतन, आहार परिणामकर भाव, राश्ट्रीय पोशण कार्यक्रम, चिकित्सालय में आहार योजना।